

Rapid Fire करंट अफेयरस (11 July)

- 11 जुलाई को दुनियाभर में **वशिव जनसंख्या दविस** का आयोजन कया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के वकिस कार्यक्रम के तहत वर्ष 1989 से वशिव जनसंख्या दविस मनाने की शुरुआत हुई। बढ़ती जनसंख्या के प्रतिलोगों को जागरूक करने के लयि यह दविस मनाया जाता है। वैश्विक जनसंख्या मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों के तहत इसमें परिवार नयोजन, लगी समानता, गरीबी, मातृ स्वास्थय और मानव अधकारों के महत्त्व की जानकारी लोगों को दी जाती है। संयुक्त राष्ट्र परषिद हर साल वशिव जनसंख्या दविस की थीम नरिधारति करती है, लेकिन वर्ष 2019 में कसिी वशिषिट वषिय का चयन नहीं कया गया। इसके बजाय जनसंख्या और वकिस पर वर्ष 1994 के **अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन** के अधूरे एजेंडे को पूरा करने पर वशिव का ध्यान आकृषट कया गया।
- भारत और रूस के बीच दूसरे दौर की **रणनीतिक-आर्थिक वारता (IRSED)** 10 जुलाई को नई दलिली में हुई। इस वारता में परविहन सुवधि एवं प्रौद्योगकियों का वकिस; कृषि एवं कृषि प्रसंस्करण कषेत्र का वकिस; लघु एवं मध्यम कारोबार सहायता; डजिटल सुधार एवं अग्रणी प्रौद्योगकियों; व्यापार, बैंकगि, वतित एवं उद्योग के कषेत्र में सहयोग तथा पर्यटन एवं संप्रकता जैसे कषेत्रों में सहयोग के 6 प्रमुख कषेत्रों पर जोर दया गया। ज्ञातव्य है कि 5 अक्टूबर, 2018 को नीत आयोग और रूसी संघ के आर्थिक वकिस मंत्रालय के बीच 19वें वार्षिक भारत-रूस द्वपिकषीय सम्मेलन के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर के बाद IRSED की स्थापना की गई थी। भारत और रूस के बीच पहले दौर की रणनीतिक-आर्थिक वारता 25-26 नवंबर, 2018 को सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजति की गई थी।
- 9 जुलाई को नई दलिली में **भारत-आसयान त्रगुट (Troika)** व्यापार मंत्रियों की बैठक आयोजति की गई, जसिका उद्देश्य वर्तमान में जारी कषेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (RCEP) पर अनौपचारिक सलाह-मशवरी करना था। भारत RCEP को अपनी **‘एकट ईसट’** नीतिका एक तारकिक वसितार मानता है, जसिमें आर्थिक वकिस एवं स्थायतिव के लयि व्यापक संभावनाएँ हैं। हाल ही में मेलबर्न में वशिषज्ज सतर पर RCEP वारताओं का 26वाँ दौर आयोजति हुआ था, जसिमें सदस्य देशों ने कुछ हद तक लचीलापन एवं सामंजस्यपूरण रुख दर्शाया। भारत ने भी ऐसा करते हुए कुछ महत्त्वपूरण कषेत्रों में समुचित सामंजस्य बैठाने में मदद की। लेकिन भारतीय वस्तुओं के मामले में, वशिषकर चीन के साथ बाजार पहुँच से जुड़े मुद्दे काफी जटलि हैं। भारत यह भी मानता है कि पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के प्रभाव को लेकर भारत में अनेक आशंकाएँ हैं क्योंकि भारत ने वस्तुओं के मामले में जतिनी रयियातें दी हैं उनके मुकाबले उसे अपेक्षाकृत कम छूट प्रापत हुई है।
- नई दलिली में ही उपरोक्त बैठक से इतर **भारत और इंडोनेशया के व्यापार मंत्रियों** की द्वसितरीय बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक में वाणजिय एवं उद्योग तथा रेल मंत्री पीयूष गोयल ने इंडोनेशया में भारतीय वाहन और वाहन उपकरण उद्योग के आयात कोटा प्रतर्बिधों की चति को रेखांकति कया। इन प्रतर्बिधों से भारतीय नरियात पर वपिरीत असर पड़ा है। द्वपिकषीय FTA व्यवस्था के कारण भारतीय वाहन नरिमाताओं की तुलना में अन्य प्रतयोगियों को बेहतर सुवधि मलिी हुई है। भारत ने इंडोनेशया के साथ व्यापार को लेकर भी चति जताई। भारत यह मानता है कि कृषि, वाहन, इंजीनयिरगि उत्पाद, सूचना प्रौद्योगकिी, औषधि, जैव प्रौद्योगकिी और स्वास्थय देखभाल कषेत्रों में व्यापार वसितार की पर्याप्त संभावनाएँ हैं। दोनों देशों के बीच द्वपिकषीय व्यापार वर्ष 2018-19 के दौरान 21.13 बलियिन डॉलर रहा और इस दौरान **व्यापार संतुलन** (10.57) बलियिन डॉलर इंडोनेशया के पक्ष में रहा। गौरतलब है कि आसयान कषेत्र में इंडोनेशया भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार सहयोगी है। पहले स्थान पर सगिापुर है।
- 9 और 10 जुलाई को नई दलिली में नशीली दवाओं की तसकरी और इससे संबंधति मुद्दों को लेकर **भारत** के नारकोटकिस नयितरण ब्यूरो और **म्यांमार** में नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर नयितरण के लयि केंद्रीय समति के बीच चौथी महानदिशक सतर की वारता का आयोजन कया गया। इस द्वपिकषीय बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच नशीली दवाओं की तसकरी के खलिाफ समनवति और ठोस कार्रवाई करना था। बैठक में दोनों पक्षों ने नशीली दवाओं की समस्या के संबंध में आपसी चतिओं को साझा कया तथा नशीली दवाइयों और इनकी तसकरी से संबंधति महत्त्वपूरण जानकारी के आदान-प्रदान का संकल्प लया। ज्ञातव्य है कि म्यांमार में खसखस की अवैध खेती और हेरोइन उत्पादन की प्रवृत्ति, म्यांमार से भारत में हेरोइन की तसकरी, भारत-म्यांमार सीमा पर एफेडरनि/श्यूडो-इफेडरनि भारत के लयि चति का एक बड़ा कारण है।
- इंग्लैंड के मैनचेस्टर में 9-10 जुलाई को खेले गए **ICC वशिव कप करकिट** के वर्षा बाधति सेमीफाइनल मैच में **न्यूजीलैंड** ने **भारत** को 18 रन से पराजति कर दया। भारत के सामने जीत के लयि 240 रनों का लक्ष्य था, लेकिन उसकी पारी 49.3 ओवर में 221 रनों पर समिट गई। न्यूजीलैंड के **मैट हेनरी** ने 37 रन देकर तीन विकेट लयि और उन्हें **मैन ऑफ द मैच** चुना गया। इस प्रकार न्यूजीलैंड लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाने में सफल रहा। न्यूजीलैंड वर्ष 2015 में भी फाइनल में पहुँचा था, जहाँ उसे ऑस्ट्रेलया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। ज्ञातव्य है कि पाँचवीं बार इंग्लैंड और वेल्स में आयोजति ICC वशिव कप करकिट का यह 12वाँ संस्करण था। इस बार का वशिव कप राउंड रोबनि पद्धति पर खेला गया जसिमें सभी टीमें आपस में एक-दूसरे के साथ मैच खेलती हैं। **पहला वशिव कप** (प्रूडेंशयिल कप) वर्ष 1975 में इंग्लैंड और वेल्स में आयोजति कया गया था, जसिमें वेस्ट इंडीज ने ऑस्ट्रेलया को करकिट का मकका कहे जाने वाले लॉर्ड्स के मैदान में खेले गए फाइनल में 17 रनों से हराया था।

